# 11वीं पास बना फर्जी डॉक्टर, साढ़े 6 लाख रु. में खरीदी एमबीबीएस-एमडी की डिग्रियां

## फर्जी डॉक्टर बनाने वाले इस अंतरराज्यीय गिरोह के चार बदमाश एसओजी के हत्थे चढ़े

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी शैक्षिणक एवं मेडिकल डिग्रियां तैयार कर विश्वविद्यालयों की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड कराने और इनके आधार पर मेडिकल काउंसिलों में पंजीयन करवाकर चिकित्सक के रूप में काम करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली तक फैले इस नेटवर्क के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया कि गिरोह का एक सदस्य मात्र 11वीं पास होने के बावजूद फर्जी एमबीबीएस और एमडी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की डिग्रियों के आधार पर दिल्ली के प्रतिष्ठित अस्पतालों में जूनियर रेजिडेंट के रूप में काम कर रहा था और सोनोलॉजिस्ट के तौर पर भी सेवाएं दे रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल के अनुसार, 6 अक्टूबर 2024 को राजस्थान मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार ने अशोक नगर थाने में मिथ्या एवं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर चिकित्सक पंजीयन करवाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रारंभिक जांच के बाद मामला एसओजी को सौंपा गया। अनुसंधान पुलिस निरीक्षक नेमीचंद कर रहे हैं। मेडिकल काउंसिल ने शान्तनु कुमार चारण, दीपक चौधरी, देवेन्द्र नेहरा, गीता कुमारी, पंकज यादव, महेश कुमार गुर्जर, सरीमूल मजूमदार और रामकिशोर महावर के विरुद्ध रिपोर्ट दी थी।

### फेसबुक विज्ञापन से होता था फर्जी डिग्रियों का सौदा

गिरफ्तार आरोपियों में रामकिशोर महावर, पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दिग्दा निवासी सत्यजीत पाणिग्रही, मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी मनीष मांजी और उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के भादौ निवासी खुर्रम तौफिक शामिल हैं। सत्यजीत मुंबई से पकड़ा गया। वह फेसबुक पर 'मेडिकल एजुकेशन, नई दिल्ली' के नाम से विज्ञापन देकर व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से फर्जी डिग्रियों का सौदा करता था। मनीष फर्जी मार्कशीट, डिग्री और डिप्लोमा तैयार कर व्हाट्सएप तथा डीटीडीसी कोरियर से भेजता था। बीबीए उत्तीर्ण खुर्रम वर्ष 2022 से फेसबुक के जरिए संपर्क में आने वाले लोगों के लिए पिछली तारीखों में डिग्रियां तैयार करवाकर विश्वविद्यालयों की वेबसाइट पर अपलोड करता था।



आरोपी रामकिशोर महावर, सत्यजीत पाणिग्रही, मनीष मांजी, खुर्रम तौफिक

### साढ़े 6 लाख में एमबीबीएस-एमडी, सफदरजंग अस्पताल में नौकरी

जांच के अनुसार, रामकिशोर 11वीं पास है। उसने वर्ष 2016 से 2022 तक दौसा के निजी नर्सिंग होम में काम किया। इसके बाद बालोतरा में चिकित्सक के सहायक के रूप में अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट टाइप की और बयाना के निजी अस्पताल में गायनेकोलॉजिस्ट के अधीन अल्ट्रासाउंड संबंधी काम किया। इसी दौरान उसने उत्तर प्रदेश के रामा मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस डिग्री की पीडीएफ में बदलाव कर फर्जी डिग्री बनाई। इसके आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन करवाया और दौसा के खेडला स्थित निजी अस्पताल में करीब 15 दिन चिकित्सक के रूप में काम किया।

अगस्त 2024 से अप्रैल 2025 तक दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में नर्सिंग असिस्टेंट और वार्ड बॉय के रूप में काम करते हुए उसने फेसबुक विज्ञापन के जरिए गिरोह से संपर्क किया। करीब साढ़े छह लाख रुपए में तमिलनाडु शिक्षा बोर्ड की 12वीं और सिक्किम मणिपाल मेडिकल विश्वविद्यालय की एमबीबीएस व एमडी (गायनेकोलॉजी) की फर्जी डिग्रियां बनवाने का सौदा हुआ। करीब साढ़े पांच लाख रुपए बैंक खाते में जमा कराने के बाद प्रमाणपत्र डीटीडीसी कोरियर से भेजे गए। इनके आधार पर उसने दिल्ली मेडिकल काउंसिल से पंजीयन संख्या 33624 हासिल की और जून 2025 में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में संविदा पर जूनियर रेजिडेंट के रूप में काम शुरू कर दिया।

- एसओजी की जांच में 30 से 40 विश्वविद्यालयों के नाम पर फर्जी प्रमाणपत्र बनाने का खुलासा हुआ, सभी जांच के दायरे में

### डीएमआरडी की फर्जी डिग्री से सोनोग्राफी भी की

रामकिशोर ने महाराष्ट्र के एक विश्वविद्यालय से डीएमआरडी (डिप्लोमा इन मेडिकल रेडियो डायग्नोसिस) की फर्जी डिग्री बनवाने के लिए करीब साढ़े पांच लाख रुपए में सौदा किया। सरकारी कॉलेज मिराज, महाराष्ट्र के नाम से दस्तावेज तैयार करवाकर नई दिल्ली के एसएमएस इमेजिंग सेंटर में पंजीयन कराया और दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में ऑन-कॉल सोनोग्राफी की। जांच में महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में करीब साढ़े आठ लाख रुपए देकर पंजीयन करवाने की जानकारी भी सामने आई है। ऑनलाइन सत्यापन में फर्जीवाडा पकड़े जाने की आशंका से उसने महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से भी एमबीबीएस और एमडी की फर्जी डिग्रियां बनवाने का प्रयास किया। दस्तावेजों में संकल्प मेडिकल सेंटर सहित अन्य स्थानों पर विभिन्न उपाधियों और फेलोशिप के उल्लेख भी मिले हैं।

### 30 से 40 विवि नाम पर बनाई डिग्रियां

एसओजी के अनुसार, गिरोह तकनीकी सुरक्षा उपायों और फायरवॉल के जरिए अपनी पहचान छिपाता था। तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के विश्लेषण में मैसूर, आंध्र, अन्ना, आचार्य नागार्जुन, काकतीय, कानपुर, मदै, सौराष्ट्र, इलाहाबाद, जेवियर, कुवेम्पू, महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, शोलापुर, भगवंत विश्वविद्यालय अजमेर और जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी सहित करीब 30 से 40 विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के नाम सामने आए हैं। इनके नाम पर 10वीं, 12वीं, बीए, बीएड, बीएससी, एमए, एमएससी, बीकॉम, एमकॉम, एमबीबीएस, एमडी, एमएस, बीटेक, डीएमआरडी और बीएएमएस सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की फर्जी डिग्रियां तैयार की गईं।

### अन्य फर्जी डिग्रीधारकों की तलाश शुरू

एसओजी गिरोह के अन्य सदस्यों और फर्जी डिग्रियों के आधार पर अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों तथा मेडिकल काउंसिलों में पंजीयन करवाने वालों की तलाश कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि अब तक कितने लोगों को फर्जी प्रमाणपत्र दिए गए और कितनों ने इनके आधार पर नौकरी हासिल की। एसओजी ने विश्वविद्यालयों, शैक्षिणक संस्थानों और नियामक निकायों को परामर्श जारी कर डिग्रियों का सत्यापन केवल ऑनलाइन या ईमेल से नहीं करने की सलाह दी है। ऑनलाइन, ऑफलाइन, रजिस्टर्ड डाक और व्यक्तिगत सत्यापन सहित तीन से चार माध्यमों से जांच, रोल नंबर, पंजीयन संख्या और सीरियल नंबर का मिलान तथा मूल और डिजिटल प्रतियों की तुलना करने को कहा है। मेडिकल डिग्रियों के लिए राज्य मेडिकल काउंसिल और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से पुष्टि तथा सत्यापन प्रक्रिया का लिखित रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की भी सलाह दी गई है।

# पंचायत चुनाव में हार पर "दिल्ली दरबार" में तलब हुआ भाजपा का रिपोर्ट कार्ड

## बीएल संतोष ने दो हाईलेवल बैठकों में मांगा चुनावी प्रदर्शन का पूरा हिसाब, मदन राठौड़ सहित वरिष्ठ नेताओं से मंथन

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** पंचायत चुनाव में झटके के बाद राजस्थान भाजपा का रिपोर्ट कार्ड "दिल्ली दरबार" में तलब हुआ है। शहरी निकाय चुनावों में जीत के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन ने प्रदेश संगठन की चिंता बढ़ा दी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने बुधवार को दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं के साथ दो अलग-अलग हाईलेवल बैठकों में चुनाव परिणामों की समीक्षा की और हार के कारणों का विस्तृत हिसाब मांगा।पहली बैठक में प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया, सह प्रभारी कविता पाटीदार और प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार शामिल हुए। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और चारों प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम और कैलाश मेघवाल के साथ मंथन हुआ।

### टिकट वितरण से बूथ प्रबंधन तक होगी हड़ताल

समीक्षा में टिकट वितरण, स्थानीय कार्यकर्ताओं की नाराजगी, चुनाव प्रभारियों, जिला अध्यक्षों और विधायकों की भूमिका के साथ बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता का आकलन किया गया। सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंचाने तथा सरकार-संगठन के बीच तालमेल की स्थिति पर भी रिपोर्ट मांगी गई।

- 17 मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों में हार से बढ़ी चिंता, टिकट वितरण से लेकर बूथ प्रबंधन और मंत्रियों-विधायकों की भूमिका की होगी हड़ताल

### 17 मंत्रियों के क्षेत्रों में हार ने बढ़ाई चिंता

पंचायत चुनाव में भाजपा को प्रदेश के 17 मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में इन क्षेत्रों में मंत्रियों और विधायकों की सक्रियता, कार्यकर्ताओं से समन्वय और प्रत्याशियों को मिले समर्थन की भी समीक्षा होगी। दिल्ली रवाना होने से पहले मदन राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की थी। राष्ट्रीय संगठन की इस कवायद को चुनावी हार के लिए जवाबदेही तय करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

# नगर निगम के पुराने हवामहल जोन कार्यालय में आग लगी

## शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दंपती और दो बेटियों के चेहरे झुलसे

**जयपुर (कासं)।** चौगान स्टेडियम के पास स्थित नगर निगम के हवामहल जोन के पुराने कार्यालय में गुरुवार देर शाम अचानक आग लग गई। कार्यालय की पहली मंजिल पर स्थित एक कमरे में लगी आग ने वहां रखी छह अलमारियों को अपनी चपेट में ले लिया।

अलमारियों में नगर निगम के महत्वपूर्ण दस्तावेज और फाइलें रखी हुई थीं, जो आग में जलकर नष्ट हो गईं। घटना के बाद कार्यालय में धुआं भर गया। गनीमत रही कि आग लगने के समय कार्यालय में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार कार्यालय परिसर के बाहर पार्किंग में मौजूद कर्मचारियों ने एक कमरे से आग की लपटें और धुआं उठते देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना नगर निगम की अग्निशमन शाखा को दी। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और एक दमकल की सहायता से आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल मीणा ने बताया कि दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कमरे में रखी छह अलमारियों में आग फैल चुकी थी और उनमें रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए।

- छह अलमारियों में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हुए
- पूर्व पार्षद दशरथ सिंह और विधायक अमीन कागजी ने सवाल उठाए, निष्पक्ष जांच की मांग

### मुख्यालय स्तर पर जांच शुरू

घटना के बाद नगर निगम मुख्यालय स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आग किन कारणों से लगी और इसमें नगर निगम के कितने महत्वपूर्ण रिकॉर्ड नष्ट हुए हैं, इसकी जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी। दस्तावेजों के जलने से निगम के रिकॉर्ड को हुए नुकसान का आंकलन भी किया जा रहा है।

आग की घटना को लेकर पूर्व पार्षद दशरथ सिंह शेखावत और किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने सवाल उठाए हैं। पूर्व पार्षद शेखावत ने आरोप लगाया कि कार्यालय में लंबे समय से कथित अवैध गतिविधियां चल रही थीं। उन्होंने आशंका जताई कि महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जलाकर गड़बड़ियों को छिपाने की साजिश भी हो सकती है।

विधायक अमीन कागजी ने सवाल उठाया कि नगर निगम का कार्यालय इतना बड़ा होने के बावजूद आग केवल रिकॉर्ड रूम में ही क्यों लगी? आग की सूचना मिलने के बावजूद अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे? उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच राजस्थान पुलिस से करवाने की मांग की, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों और दस्तावेज जलने के पीछे की सच्चाई सामने आ सके तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

**जयपुर।** राजधानी के नारायण विहार क्षेत्र के मांग्यावास स्थित कीर्ति नगर में गुरूवार तड़के एक विला में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे के समय ऊपरी मंजिल पर सो रहे परिवार के कमरे में अचानक लपटें फैल गईं। आग बुझाने और बच्चों को बाहर निकालने के प्रयास में दंपती और उनकी दो बेटियों के चेहरे झुलस गए। वहीं, नीचे की मंजिल पर सो रहे बुजुर्ग दादा ने तत्परता दिखाते हुए छह साल के पोते को सुरक्षित बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया । चिकित्सकों के अनुसार सभी की हालत खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार अजमेर रोड स्थित डीसीएम में ऑटोमोबाइल व्यवसाय करने वाले नीरज (43) मंगलवार रात पत्नी गौरी (40), 10 और 12 साल की दो बेटियों तथा छह वर्षीय बेटे के साथ विला की ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे। गुरूवार सुबह करीब 5 बजे कमरे में बिजली के शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने कपड़ों और फर्नीचर को अपनी चपेट में ले लिया। सर्दी के कारण शुरुआत में परिवार को आग लगने का पता नहीं चला। कुछ देर बाद आग बिस्तरों तक पहुंची और कमरे में धुआं भर गया। दम घुटने से परिवार की नींद खुली तो कमरा लपटों से घिरा हुआ था। आग देखकर पति-पत्नी घबरा गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत जुटाकर शोर मचाया और बच्चों को जगाकर बाहर निकालने के साथ आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान नीरज, उनकी पत्नी गौरी और दोनों बेटियों के चेहरे झुलस गए।

# रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति राष्ट्रीय सम्मान के लिए 31 दिसंबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित



- स्वतंत्रता आंदोलन, गांधी अध्ययन, भारतीय साहित्य समेत पांच विषयों की कृतियां होंगी चयनित

**जयपुर।** स्वतंत्रता सैनानी रामचन्द्र नन्दवाना की स्मृति में दिए जाने वाले राष्ट्रीय सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। सम्मान संयोजक मंडल के अध्यक्ष डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन, प्राच्य विद्या एवं भारतीय साहित्य, गांधी अध्ययन, दलित चिंतन और भारतीय मध्यकालीन साहित्य से संबंधित किसी एक कृति का चयन इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए किया जाएगा। तीन निर्णायकों की समिति प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर सम्मान के लिए कृति का चयन करेगी। सम्मान के तहत 11 हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंट किए जाएंगे।

वर्ष 2025 और 2026 के सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। वर्ष 2026 के सम्मान के लिए 1 जनवरी 2020 से 31 दिसंबर 2025 के बीच प्रकाशित पुस्तकों तथा वर्ष 2025 के सम्मान के लिए 1 जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2024 के बीच प्रकाशित पुस्तकों पर विचार किया जाएगा।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन निवासी रामचन्द्र नन्दवाना स्वतंत्रता संग्राम और इसके बाद गांधीवादी आंदोलनों में आजीवन सक्रिय रहे। वे गांधीजी की संस्थाओं हरिजन सेवक संघ और चरखा संघ से जुड़े रहे तथा चित्तौड़गढ़ की गाड़ी लौहार सेवा समिति से भी उनका जुड़ाव रहा। जयपुर, भीलवाड़ा, कोटा, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर जिलों में सक्रिय नन्दवाना, वियोगी हरि, ठक्कर बापा और माणिक्यलाल वर्मा के निकट सहयोगी थे।

वर्ष 2019 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष से यह सम्मान प्रारंभ किया गया। अब तक यह सम्मान प्रो. माधव हाड़ा, सुधीर विद्यार्थी, प्रो. बजरंग बिहारी तिवारी, सोपान जोशी, प्रो. अवधेश प्रधान और प्रताप गोपेंद्र को दिया जा चुका है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में हिंदी के शिक्षक डॉ. विशाल विक्रम सिंह को सम्मान का संयोजक बनाया गया है। सम्मान के लिए प्रविष्टियां 31 दिसंबर 2026 तक डॉ. विशाल विक्रम सिंह, एल-08 बी, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004 पर भेजी जा सकती हैं। सम्मान संयोजक मंडल में डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल (जयपुर), प्रो. माधव हाड़ा (उदयपुर), आशीष त्रिपाठी (वाराणसी), डॉ. रेणु व्यास (चित्तौड़गढ़-जयपुर) और प्रो. पल्लव (दिल्ली) सदस्य है।

# विधायक कृष्णा पूनियां ने चूरू जिला परिषद के कांग्रेस पार्षद और नेताओं का नार्को टेस्ट कराने की मांग की

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** चूरू जिला परिषद में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद भी कांग्रेस पार्टी को जिला प्रमुख के चुनाव में मिली पराजय के बाद जिले की सादुलपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक कृष्णा पूनिया ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं की भूमिका पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं, और कहा है कि चूरू जिला परिषद में पार्टी को मिली हार में कहीं ना कहीं कांग्रेस पार्टी के नेताओं और वार्ड मेंबरों की मिलीभगत का खेल हुआ है, जिसकी वजह से स्पष्ट बहुमत के बाद भी कांग्रेस पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा कृष्णा पूनिया ने अपने सोशल मीडिया के अधिकृत अकाउंट के माध्यम से चूरू जिला परिषद के कांग्रेस पार्टी के वार्ड मेंबर और कांग्रेस पार्टी के नेताओं का नार्को टेस्ट करवाने की पुरजोर मांग की है और कहा है कि यह गंभीर मामला है, इसलिए उन्होंने प्रदेश कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी के दिल्ली दरबार को इस मामले की गंभीरता से जांच करने का आग्रह किया है।

- चूरू जिला परिषद में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत होने के बाद भी जिला प्रमुख पद के चुनाव में मिली पराजय के बाद उठाई मांग

हालांकि कृष्णा पूनिया ने कांग्रेस पार्टी के किसी नेता का नाम नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने पार्टी के बड़े नेताओं की भूमिका पर संदेह जताते हुए इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग कांग्रेस के दिल्ली दरबार से की है कृष्णा पूनिया कि इस डिमांड के बाद जयपुर से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस पार्टी के नेताओं में खलबली मची हुई है, क्योंकि कृष्णा पूनिया के निर्वाचन क्षेत्र में तीन पंचायत समितियां हैं, और तीनों ही पंचायत समितियों में कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है, कांग्रेस पार्टी के इस दमदार प्रदर्शन में कृष्णा पूनिया की भूमिका की सब जगह प्रशंसा हो रही है, इसलिए अब जिस तरह से कृष्णा पूनिया ने चूरू जिला परिषद में बहुमत होने के बाद भी कांग्रेस पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा, उस से कृष्णा पूनिया को भी गहरा धक्का लगा है, इसलिए उन्होंने कांग्रेस की दिल्ली दरबार से कहा है कि अगर कांग्रेस पार्टी के नेताओं का नार्को टेस्ट किया जाए, तो इस मामले में अपने आप ही सच्चाई सामने आ जाएगी।

अब देखने वाली बात यह है कि कृष्णा पूनिया की इस डिमांड को राजस्थान कांग्रेस और दिल्ली में बैठे कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता कितनी गंभीरता से लेते हैं, फिलहाल कृष्णा पूनिया के इस बयान से प्रदेश कांग्रेस के दफ्तर में भी कांग्रेस नेताओं में हलचल तेज हो गई हैं चूरू जिला परिषद वार्ड मेंबर के चुनाव में चूरू जिला परिषद में कुल 39 वार्डों में कांग्रेस पार्टी को 21 वार्डों में सफलता मिली थी, और भाजपा को 17 वार्डों में ही जीत मिली थी, इसलिए यहां कांग्रेस पार्टी को बहुमत के आंकड़े से भी ज्यादा मत मिले थे, लेकिन इसके बावजूद भी जिला प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा कृष्णा पूनिया का कहना है कि कांग्रेस पार्टी के पांच पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की, जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी का सीटों का आंकड़ा 17 से 22 पहुंच गया और कांग्रेस पार्टी का आंकड़ा 21 से 17 पर आकर अटक गया। उल्लेखनीय है कि चूरू जिला परिषद में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह राठौर की पुत्र वधू कनिका सिंह राठौड़ को भाजपा ने जिला प्रमुख पद के लिए उम्मीदवार बनाया था, यहां पर जिला प्रमुख के चुनाव में शुरू से ही यह आशंका बनी हुई थी कि यहां राजेंद्र राठौड़ अपनी रणनीति से कहीं ना कहीं अपनी पुत्रवधू को जिला प्रमुख की कुर्सी पर बिठाकर ही रहेंगे, जिसमें राठौड़ कामयाब भी हो गए।

# 'राजस्थान के औद्योगिक विकास में भागीदार बनेंगे प्रवासी राजस्थानी'

## 10 दिसंबर को जेईसीसी में होगा उद्योग सत्र, निवेश, आधुनिक औद्योगिक ढांचे और कारोबार की सुगमता पर होगा मंथन

**जयपुर (कासं)।** राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों के वैश्विक अनुभव, विशेषज्ञता, निवेश और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का लाभ उठाएगी। इसके लिए 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस-2026 में छह प्रमुख क्षेत्रवार सत्र होंगे। इनमें उद्योग सत्र 10 दिसंबर को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित होगा। इसमें प्रवासी राजस्थानी, निवेशक और उद्योग जगत के प्रतिनिधि औद्योगिक विकास, निवेश के अवसरों, आधुनिक आधारभूत ढांचे और कारोबार की सुगमता पर चर्चा करेंगे।

ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के आयुक्त नीलाभ सक्सैना ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी वैश्विक अनुभव और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की समझ लेकर आते हैं। उनकी भागीदारी से नई साझेदारियों, तकनीकी सहयोग और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

### 19 विभागों की 190 स्वीकृतियां एकल खिड़की पर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान-2047 के विजन के तहत राज निवेश एकल खिड़की प्रणाली में 19 विभागों की 190 स्वीकृतियां उपलब्ध हैं। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 और क्षेत्रवार नीतियों के जरिए निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है।

### निर्यात करीब एक लाख करोड़, एफडीआई में 178 प्रतिशत वृद्धि

वर्ष 2025-26 में राजस्थान की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि दर 10.24 प्रतिशत रही। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करीब 178 प्रतिशत बढ़कर 8812 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि निर्यात 99788 करोड़ रुपए रहा। प्रदेश में रीको के 474 औद्योगिक क्षेत्र करीब एक लाख एकड़ में फैले हैं, जहां 47 हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयां उत्पादन कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र, रक्षा एवं एयरोस्पेस, चिकित्सा उपकरण, सिरेमिक, पेट्रोकेमिकल्स और कृषि प्रसंस्करण क्षेत्रों में भी औद्योगिक ढांचा विकसित किया जा रहा है।

पश्चिमी समर्पित मालवहन गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) का करीब 39 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान से गुजरता है, जिससे प्रदेश की कनेक्टिविटी और औद्योगिक संभावनाओं को मजबूती मिल रही है। प्रवासी राजस्थानी दिवस की शुरुआत 8 दिसंबर को शेखावाटी हेरिटेज मीट से होगी। 9 दिसंबर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम और 10 दिसंबर को जेईसीसी में मुख्य समारोह व छह क्षेत्रवार सत्र आयोजित होंगे।

# संविधान की सर्वोच्चता और राष्ट्र प्रथम की भावना ही "सशक्त भारत" का आधार : प्रो. सारस्वत

## राजस्थान विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर विशेष व्याख्यान आयोजित

**जयपुर (कासं)।** राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस पर "संविधान की आत्मा और भारत का भविष्य : लोकतांत्रिक मूल्यों से राष्ट्र निर्माण तक" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने की तथा मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय पुलिस सेवा के 2009 बैच के अधिकारी एवं जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय सिंह राठौड़ उपस्थित रहे।

प्रो. सारस्वत ने कहा कि राष्ट्रहित, संविधान की सर्वोच्चता और नागरिक कर्तव्यों के प्रति निष्ठा प्रत्येक नागरिक का मूल दायित्व है। अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निर्वहन और राष्ट्र प्रथम की भावना को आचरण में उतारकर ही सशक्त, समरस और विकसित भारत का निर्माण संभव है। डॉ. अजय सिंह राठौड़ ने कहा कि संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता पर आधारित लोकतांत्रिक जीवन का मार्गदर्शक है। कानून का शासन, प्रशासनिक निष्पक्षता, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के संस्मरण साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि डॉ. राठौड इसी विभाग के पूर्व विद्यार्थी एवं शोधार्थी रहे हैं तथा उन्होंने यहीं से राजनीति विज्ञान में पीएचडी की है।




राजस्थान विश्वविद्यालय में गुरूवार को "संविधान की आत्मा और भारत का भविष्य : लोकतांत्रिक मूल्यों से राष्ट्र निर्माण तक" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ।

- अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अजय सिंह राठौड़ ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों का महत्व बताया

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। श्री श्रवण कुमार ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करवाया तथा कार्यक्रम का संचालन भी किया। आयोजन संयोजक डॉ. प्रियंका आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।